देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 25.03.2026
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में शिक्षा, ऊर्जा और वन विभाग सहित विभिन्न विभागों से जुड़े 16 प्रस्तावों को मंजूरी।
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने लोकभवन में प्रज्ञानम् एआई चैटबॉट का लोकार्पण किया। कहा– चैटबॉट, युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम बनेगा।
- केन्द्र सरकार ने कहा– एलपीजी सिलेंडर भरवाने की मौजूदा समय सीमा में कोई बदलाव नहीं।
- पौड़ी जिले में एलपीजी गैस आपूर्ति को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रशासन का सघन जांच अभियान जारी। विभिन्न क्षेत्रों में 70 प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया।

मंत्रिमंडल बैठक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज सचिवालय में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में शिक्षा, ऊर्जा और वन विभाग सहित विभिन्न विभागों से जुड़े 16 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में प्रशासनिक, वित्तीय और नीतिगत विषयों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के बाद सचिव शैलेश बगोली ने पत्रकारों को मंत्रिमंडल के निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में माध्यमिक शिक्षा विभाग में एडेड स्कूलों के अध्ययन के लिए उपसमिति गठित करने का फैसला लिया गया।

श्री बगौली ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में 2 दशमलव 2 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2 हजार 585 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है।

मंत्रिमंडल ने भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञों की नियुक्ति को भी स्वीकृति दी है। इसके अलावा उत्तराखंड होमगार्ड नियमावली को मंजूरी दी गई है। बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए।

चैटबॉट

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने आज लोकभवन में प्रज्ञानम् एआई चैटबॉट का लोकार्पण किया। श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यह चैटबॉट भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रज्ञानम् चैटबॉट, भारतीय ज्ञान प्रणाली से जुड़े विषयों पर जिज्ञासुओं के प्रश्नों का त्वरित, सटीक और संदर्भ आधारित उत्तर प्रदान करने में सक्षम है। इसे श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा 'वन यूनिवर्सिटी–वन रिसर्च' पहल के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा पर किए गए शोध कार्यों और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत विषयवस्तु के आधार पर विकसित किया गया है। यह चैटबॉट विशेष रूप से वेद, उपनिषद, पुराण, प्राचीन भारतीय गणित, नाट्यशास्त्र, संगीत, आयुर्वेद, दर्शन और भारतीय विज्ञान जैसे विषयों पर आधारित विस्तृत डेटाबेस पर निर्मित है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों और आम नागरिकों को भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित प्रमाणिक जानकारी डिजिटल माध्यम से सरल व त्वरित रूप में उपलब्ध कराना है। प्रज्ञानम् चैटबॉट pragyanam.live पर ऑनलाइन उपलब्ध है, जहां आम नागरिक, विद्यार्थी औरं शोधार्थी इसे आसानी से उपयोग कर सकते हैं।

लोकार्पण कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि प्रज्ञानम् जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से इस अमूल्य ज्ञान को 21वीं सदी की आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर नई पीढ़ी तक प्रभावी रूप से पहुँचाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रज्ञानम् युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम बनेगा।

दुर्गा अष्टमी

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने आज सपरिवार चैत्र नवरात्रि की दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर लोक भवन में विधि–विधान से कन्याओं का पूजन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि चैत्र नवरात्रि का पर्व केवल व्रत और उपवास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नारी शक्ति के सम्मान और कन्याओं के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का भी प्रतीक है।

खंडन

केंद्र सरकार ने उन खबरों और सोशल मीडिया पोस्टों का खंडन किया है जिनमें दावा किया गया था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना–पी.एम.यू.वाई. के तहत एलपीजी कनेक्शन के लिए रिफिल बुकिंग की समय सीमा को संशोधित करके 45 दिन कर दिया गया है। दावों में यह भी कहा गया है कि गैर– पी.एम.यू.वाई. सिंगल बॉटल कनेक्शन के लिए नई समय सीमा 25 दिन और गैर–पी.एम.यू.वाई. डबल बॉटल कनेक्शन के लिए 35 दिन है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसा कोई बदलाव नहीं किया गया है और मौजूदा रिफिल बुकिंग की समय सीमा अपरिवर्तित है।

गैस आपूर्ति

पौड़ी जिले में एलपीजी गैस आपूर्ति को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन सघन जांच अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में पूर्ति विभाग की टीमों ने आज विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ अभियान चलाते हुए 70 प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इनमें 10 गैस गोदाम और 60 व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल रहे। अभियान के दौरान कोटद्वार, दुगड्डा, पौड़ी, धुमाकोट, चेलूसैंण, थलीसैंण, उफरैंखाल–रिखणीखाल समेत कई दूरस्थ क्षेत्रों में भी टीमों ने पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। पाबौ और सतपुली जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में दुकानों की जांच कर यह सुनिश्चित किया गया कि उपभोक्ताओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप गैस उपलब्ध हो रही है या नहीं। निरीक्षण के दौरान टीमों ने स्टॉक रजिस्टर, वितरण प्रक्रिया, भंडारण व्यवस्था और अभिलेखों का मौके पर मिलान कर वास्तविक स्थिति की गहन जांच की। जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सर्वोपरि है और एलपीजी वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने नियमों की अनदेखी करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं है और सभी उपभोक्ताओं को निर्धारित केंद्रों के माध्यम से नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है।

किसान मिसाल

बागेश्वर जिले के मनकोट गांव के किसान लक्की चौबे ने पारंपरिक खेती को आधुनिक तकनीकों से जोड़कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। मेहनत और नवाचार के बल पर खेती करके उनकी वार्षिक आय आठ लाख रुपये से अधिक है। उनके खेतों में मटर, गोभी, प्याज और लहसुन के साथ ही कद्दू वर्गीय सब्जियां, करेला, ककड़ी और तुरई जैसी कई फसलें लहलहा रही हैं। इस समय मटर का सीजन अपने चरम पर है और लक्की चौबे रोजाना एक से डेढ़ कुंतल मटर का उत्पादन कर बाजार तक पहुंचा रहे हैं।

उद्यान विभाग और अन्य संस्थाओं से मिलने वाला तकनीकी सहयोग भी लक्की चौबे की सफलता में अहम भूमिका निभा रहा है। उद्यान विभाग के सहायक विकास अधिकारी शैलेश तिवारी के अनुसार लक्की ने आधुनिक तकनीकों को अपनाकर सब्जी उत्पादन में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

लक्की चौबे की यह मिसाल बताती है कि अगर सोच नई हो और मेहनत सच्ची, तो खेती भी एक सम्मानजनक और लाभकारी व्यवसाय बन सकती है, जो गांवों को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने का सशक्त माध्यम है।